परिसादणकदीणं मणजोगिभंगो । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वद्धा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण तेत्तीसं सागरोवमाणि सादिरेयाणि ।

भवसिद्धियाणं ओघं । अभवसिद्धियाणं असंजदभंगो । णवरि तेजा-कम्मइयसंघादणपरिसादणकदी अणादि-अपज्जवसिदा । सम्माइट्ठीणमोहिभंगो । णवरि तेजा-कम्मइयपरिसादणकदी ओघं । एवं खइयसम्माइट्ठीणं । णवरि तेजा-कम्मयसंघादण-परिसादणकदी तेत्तीससागरोवमाणि सादिरेयाणि । वेदगसम्माइट्ठीणं ओहिभंगो । णवरि ओरालियसंघादण-परिसादणकदी तिण्णि पलिदोवमाणि देसूणाणि । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी छावट्ठिसागरोवमाणि । उवसमसम्माइट्ठीसु ओरालिय-वेउव्वियपरिसादण-संघादणपरिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण पलिदोवमस्स असंखेज्जदिभागो । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । वेउव्वियसंघादणकदीए विभंगणाणिभंगो । णवरि

....

समान है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे कुछ अधिक तेतीस सागरोपम काल है ।

भव्यसिद्धिक जीवोंकी प्ररूपणा ओघके समान है । अभव्यसिद्धिक जीवोंकी प्ररूपणा असंख्यातोंके समान है । विशेष इतना है कि तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति अनादि-अपर्यवसित है ।

सम्यग्दृष्टि जीवोंकी प्ररूपणा अवधिज्ञानियोंके समान है । विशेष इतना है कि इनमें तैजस व कार्मणशरीरकी परिशातनकृतिकी प्ररूपणा ओघके समान है । इसी प्रकार क्षायिकसम्यग्दृष्टि जीवोंके भी कहना चाहिये । विशेष इतना है कि इनमें तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका कुछ अधिक तेतीस सागरोपम काल है ।

वेदकसम्यग्दृष्टियोंकी प्ररूपणा अवधिज्ञानियोंके समान है । विशेष इतना है कि इनमें औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका कुछ कम तीन पल्योपम काल है । तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका छ्यासठ सागरोपम काल है ।

उपशमसम्यग्दृष्टियोंमें औदारिक और वैक्रियिकशरीरकी परिशातन व संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे पल्योपमके असंख्यातवें भाग प्रमाण काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल है । वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिकी प्ररूपणा विभंगज्ञानियोंके समान

एगजीवस्स उक्कस्सेण बेसमया। तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण पलिदोवमस्स असंखेज्जदिभागो। एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं। एवं सम्मामिच्छाइट्ठीणं। णवरि वेउव्वियसंघादणस्स एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण एगसमओ। सासणसम्माइट्ठीसु ओरालिय-संघादणकदीए पंचिंदियभंगो। ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदीए उवसमसम्माइट्ठिभंगो। ओरालिय-वेउव्विय-तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण पलिदोवमस्स असंखेज्जदिभागो। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण छावलियाओ। मिच्छाइट्ठीणमसंजदभंगो।

सण्णीणं पुरिसवेदभंगो। असण्णीसु ओरालियपरिसादणकदी वेउव्वियतिण्णपदा तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए तिरिक्खभंगो।

आहाराणुवादेण आहारी ओघं। णवरि तेजा-कम्मइयपरिसादणं णत्थि। संघादण-

....

है। विशेष इतना है कि एक जीवकी अपेक्षा उसका उत्कृष्ट काल दो समय है। तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कर्षसे पल्योपमके असंख्यातवें भाग प्रमाण काल है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल है।

इसी प्रकार सम्यग्मिथ्यादृष्टि जीवोंके कहना चाहिये। विशेष इतना है कि वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्टसे एक समय काल है।

सासादनसम्यग्दृष्टियोमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिकी प्ररूपणा पंचेन्द्रियोके समान है। औदारिक और वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृतिकी प्ररूपणा उपशमसम्यग्दृष्टि जीवोके समान है। औदारिक, वैक्रियिक, तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे पल्योपमका असंख्यातवां भाग काल है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे छह आवलि काल है। मिथ्यादृष्टियोंकी प्ररूपणा असंयतोके समान है।

संज्ञी जीवोंकी प्ररूपणा पुरुषवेदियोके समान है। असंज्ञी जीवोमे औदारिकशरीरकी परिशातनकृति वैक्रियिकशरीरके तीनों पद तथा तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातन-कृतिकी प्ररूपणा तिर्यंचोके समान है।

आहारमार्गणानुसार आहारी जीवोंकी प्ररूपणा ओघके समान है। विशेष इतना है कि उनमें तैजस व कार्मणशरीरकी परिशातनकृति नहीं होती। इन दोनों शरीरोंकी

परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वद्धा। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं तिसमऊणं, उक्कस्सेण अंगुलस्स असंखेज्जदिभागो असंखेज्जाओ ओसप्पिणी-उस्सप्पिणीओ। अणाहारीसु ओरालियपरिसादणकदीए अवगदवेदभंगो। तेजा-कम्मइयपरिसादणकदी ओघं। तेजा-कम्मइयसंघादणपरिसादणकदी केवचिरं कालादो होदि ? णाणाजीवं पडुच्च सव्वद्धा। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तिण्णि समया। एवं कालाणुगमो समत्तो।

अंतराणुगमेण दुविहो णिद्देसो ओघेण आदेसेण य। तत्थ ओघेण ओरालियसरीर-संघादणकदीए अंतरं केवचिरं कालादो होदि ? णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं णिरंतरं। एगजीवं पडुच्च खुद्दाभवग्गहणं चदुसमऊणं, उक्कस्सेण तेत्तीससागरोवमाणि समयाहियपुव्वकोडीए सादिरेयाणि। ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं णिरंतरं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण अणंतकालमसंखेज्जा पोग्गलपरियट्टा। एवं वेउव्वियसंघादणपरिसादणकदीए। णवरि जहण्णेण एगसमओ। ओरालिय-

....

संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण और उत्कर्षसे अंगुलके असंख्यातवें भाग मात्र असंख्यात उत्सर्पिणी-अवसर्पिणी काल है।

अनाहारी जीवोंमें औदारिकशरीरकी परिशातनकृतिकी प्ररूपणा अपगतवेदियोके समान है। तैजस व कार्मणशरीरकी परिशातनकृतिकी प्ररूपणा ओघके समान है। तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका कितना काल है ? नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे तीन समय काल है। इस प्रकार कालानुगम समाप्त हुआ।

अन्तरानुगमसे ओघ और आदेशकी अपेक्षा दो प्रकारका निर्देश है। उनमेंसे ओघकी अपेक्षा औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर कितने काल तक होता है ? नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं है, निरन्तर है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे चार समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण और उत्कर्षसे एक समय अधिक पूर्वकोटिसे संयुक्त तेतीस सागरोपम काल प्रमाण होता है।

औदारिक व वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता, निरन्तर है। एक जीवकी अपेक्षा उसका अन्तर जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कर्षसे अनन्त काल प्रमाण होता है जो असंख्यात पुद्गलपरिवर्तन प्रमाण है। इसी प्रकार वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर कहना चाहिये। विशेष इतना है कि उसका अन्तर जघन्यसे एक समय है।

संघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तेत्तीसं सागरोवमाणि तिसमयाहियअंतोमुहुत्ताहियाणि । वेउव्वियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अणंतकालमसंखेज्जा पोग्गलपरियट्टा ।

आहारतिण्णिपदाणं णाणाजीवं पडुच्च एगसमओ, उक्कस्सेण वासपुधत्तं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं उक्कस्सेण अद्धपोग्गलपरियट्टं देसूणं । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णाणेगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं णिरंतरं । परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण छम्मासा । एगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं ।

आदेसेण गदियाणुवादेण णिरयगदीए णेरइएसु वेउव्वियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण चउवीसमुहुत्ता । एगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । वेउव्विय-तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णाणेगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । पढमादि

....

औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा नहीं होता । एक जीवकी अपेक्षा उसका अन्तर जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे तीन समय व अन्तर्मुहूर्तसे अधिक तेत्तीस सागरोपम काल प्रमाण होता है ।

वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है । एक जीवकी अपेक्षा उसका अन्तर जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अनन्त काल प्रमाण होता है, जो संख्यात पुद्गलपरिवर्तन प्रमाण है ।

आहारकशरीरके तीनों पदोंका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे वर्षपृथक्त्व काल प्रमाण होता है । एक जीवकी अपेक्षा उनका अन्तर जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे कुछ कम अर्धपुद्गलपरिवर्तन काल प्रमाण होता है ।

तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना व एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता, वह निरन्तर है । परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे छह मास प्रमाण होता है । एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता ।

आदेशकी अपेक्षा गतिमार्गणानुसार नरकगतिमें नारकियोंमें वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे चौबीस मुहूर्त प्रमाण होता है । एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । वैक्रियिक तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर नाना व एक जीवकी अपेक्षा नहीं होता ।

जाव सत्तमि त्ति वेउव्वियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अडदालीसमुहुत्ता पक्खो मासो बेमासा चत्तारिमासा छम्मासा बारहमासा । एगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । सेसपदाणं णत्थि अंतरं ।

तिरिक्खेसु ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं चदुसमऊणं, उक्कस्सेण पुव्वकोडी समयाहिया । ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदीए वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण अणंतकालमसंखेज्जपोग्गलपरियट्टं । एवं वेउव्वियसंघादणकदीए । णवरि णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं, तिसमयाहियं । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णारगभंगो ।

पंचिंदियतिरिक्खतिगम्मि ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं, चदुवीसमुहुत्ता । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं

....

प्रथम पृथिवीसे लेकर सातवीं पृथिवी तक वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे क्रमशः अड़तालीस मुहूर्त, एक पक्ष, एक मास, दो मास, चार मास, छह मास और बारह मास होता है। एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । शेष पदोंका अन्तर नहीं होता ।

तिर्यंचोमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे चार समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण और उत्कर्षसे एक समय अधिक पूर्वकोटि काल प्रमाण होता है । औदारिक व वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कर्षसे अनन्त काल होता है, जिसका प्रमाण असंख्यात पुद्गलपरिवर्तन है । इसी प्रकार वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर कहना चाहिये । विशेष इतना है कि नाना जीवोंकी अपेक्षा उसका अन्तर जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे तीन समय अधिक अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा नारकियोके समान है ।

पंचेन्द्रिय तिर्यंच आदि तीनमें औदारिकशरीकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे अन्तर्मुहूर्त व चौबीस मुहूर्त होता है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण व तीन समय कम अन्तर्मुहूर्त

अंतोमुहुत्तं तिसमऊणं उक्कस्सेण तिरिक्खभंगो । ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदीए वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण तिण्णि पलिदोवमाणि पुव्वकोडिपुधत्तेणब्भहियाणि । एवं वेउव्वियसंघादणकदीए । णवरि णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ । उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए तिरिक्खभंगो । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णत्थि अंतरं ।

पंचिंदियतिरिक्खअपज्जत्तेसु ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं तिसमऊणं, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं समयाहियं । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तिण्णि समया । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए तिरिक्खोघं ।

मणुसतिगस्स पंचिंदियतिरिक्खभंगो । णवरि आहारतिण्णिपदा णाणाजीवं

....

है, और उत्कृष्टसे प्ररूपणा तिर्यंचोके समान है। औदारिक व वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तमुहूर्त और उत्कृष्टसे पूर्वकोटिपृथक्त्वसे अधिक तीन पल्योपम प्रमाण काल होता है। इसी प्रकार वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा करना चाहिये। विशेष इतना है कि नाना जीवोंकी अपेक्षा उसका अन्तर जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिकी प्ररूपणा तिर्यंचोके समान है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर नहीं होता।

पंचेन्द्रिय तिर्यंच अपर्याप्तोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण और उत्कृष्टसे एक समय अधिक अन्तर्मुहूर्त प्रमाण होता है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे तीन समय होता है। तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा सामान्य तिर्यंचोके समान है।

मनुष्य, मनुष्य पर्याप्त और मनुष्यनियोंकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय तिर्यंच, पंचेन्द्रिय तिर्यंच पर्याप्त और पंचेन्द्रिय तिर्यंच योनिमतियोंके समान है । विशेष इतना है कि

पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण[१] वासपुधत्तं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं, उक्कस्सेण पुव्वकोडिपुधत्तं। तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए ओघं। णवरि तेजा-कम्मइयपरिसादणकदीए मणुसिणीसु उक्कस्सेण वासपुधत्तं।

मणुसअपज्जत्ताणं ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण पलिदोवमस्स असंखेज्जदिभागो। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं तिसमऊणं उक्कस्सेण अन्तोमुहुत्तं समयाहियं। संघादणपरिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण पलिदोवमस्स असंखेज्जदिभागो। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ उक्कस्सेण तिण्णि समया। तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण पलिदोवमस्स असंखेज्जदिभागो। एगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं।

देवाणं णारगभंगो। भवणवासियप्पहुडि जाव सव्वट्ठ त्ति वेउव्वियसंघादणकदीए

....

आहारकशरीरके तीनों पदोंका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे वर्षपृथक्त्व प्रमाण काल होता है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे पूर्वकोटिपृथक्त्व प्रमाण काल होता है। तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा ओघके समान है। विशेष इतना है कि तैजस व कार्मणशरीरकी परिशातनकृतिका अन्तर मनुष्यनियोंमें उत्कर्षसे वर्षपृथक्त्व प्रमाण काल होता है।

मनुष्य अपर्याप्तोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे पल्योपमके असंख्यातवें भाग प्रमाण काल होता है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे एक समय अधिक अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे पल्योपमके असंख्यावें भाग प्रमाण काल होता है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे तीन समय प्रमाण काल होता है। तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे पल्योपमके असंख्यातवें भाग प्रमाण होता है। एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता।

देवोंकी प्ररूपणा नारकियोंके समान है। भवनवासियोंसे लेकर सर्वार्थसिद्धि विमान तक वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे

....

१ अ - आप्रत्योः 'उक्कस्सेण' इत्येतत्पदं नास्ति।

णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण भवणवासिय-वाणवेंतर-जोदिसियाणं पावेक्कं अडदालीस मुहुत्ता । सोहम्मीसाणे पक्खो । सणक्कुमार-माहिंदे मासो । बम्हबम्होत्तरलांतवकाविट्ठे बेमासा । सुक्कमहासुक्क-सदारसहस्सारम्मि चत्तारि मासा । आणदपाणद-आरणअच्चुदेसु छम्मासा । णवगेवज्जेसु बारसमासा । अणुदिसादि जाव अवराइद त्ति वासपुधत्तं । सव्वट्ठे पलिदोवमस्स संखेज्जदिभागो । सेसपदाणं देवभंगो ।

एइंदिएसु ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं चदुसमऊणं, उक्कस्सेण बावीसवाससहस्साणि समयाहियाणि । ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदीए वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण पलिदोवमस्स असंखेज्जदिभागो । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए तिरिक्खभंगो । वेउव्वियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च तिरिक्खभंगो । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं, उक्कस्सेण पलिदोवमस्स असंखेज्जदिभागो । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी ओघं ।

....

एक समय है । उत्कृष्टसे भवनवासी, वानव्यन्तर और ज्योतिषियोमें पृथक् पृथक् अडतालीस मुहूर्त, सौधर्म-ईशान कल्पमें एक पक्ष, सनत्कुमार-माहेन्द्र कल्पमें एक मास, ब्रम्ह-ब्रम्होत्तर व लांतव-कापिष्ठ कल्पोमें दो मास, शुक्र-महाशुक्र व शतार-सहस्रार कल्पोमें चार मास, आनत-प्राणत व आरण-अच्युत कल्पोमें छह मास, नौ ग्रैवेयकोमें बारह मास, अनुदिशोंसे लेकर अपराजित विमान तक वर्षपृथक्त्व और सर्वार्थसिद्धि विमानमें पल्योपमके संख्यातवें भाग प्रमाण काल होता है । शेष पदोंकी प्रमाण प्ररूपणा सामान्य देवोंके समान है ।

एकेन्द्रियोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे चार समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण और उत्कृष्टसे एक समय अधिक बाईस हजार वर्ष प्रमाण होता है । औदारिक व वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे पल्योपमके असंख्यातवें भाग काल प्रमाण होता है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा तिर्यंचोके समान है । वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा नाना जीवोंकी अपेक्षा तिर्यंचोंके समान है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे पल्योपमके असंख्यातवें भाग काल प्रमाण होता है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा ओघके समान है ।

एवं बादरेइंदियाणं । णवरि ओरालियसंघादणकदीए जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं तिसमऊणं । एवं बादरेइंदियपज्जत्ताणं । णवरि ओरालियसंघादणकदीए जहण्णेण अंतोमुहुत्तं तिसमऊणं । एवं सेसपदाणं । णवरि जम्हि पलिदोवमस्स असंखेज्जदिभागो तम्हि संखेज्जाणि वाससहस्साणि । बादरेइंदियअपज्जत्तेसु ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । सेसस्स पंचिंदियतिरिक्खअपज्जत्तभंगो ।

सुहुमेइंदिएसु ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं चदुसमऊणं, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं दुसमयाहियं । ओरालिय-संघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण चत्तारि समया । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णत्थि अंतरं । एवं पज्जत्तापज्जत्ताणं । णवरि पज्जत्तएसु ओरालियसंघादणकदीए एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं चदुसमऊणं ।

बेइंदिय-तेइंदिय चदुरिंदियाणं तेसिं पज्जत्ताणं च ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं

....

इसी प्रकार बादर एकेन्द्रियोंकी प्ररूपणा है । विशेष इतना है कि औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण है । इसी प्रकार बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तोंके कहना चाहिये । विशेष इतना है कि इनमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर जघन्यसे तीन समय कम अन्तर्मुहूर्त मात्र होता है । इसी प्रकार शेष पदोंकी प्ररूपणा करना चाहिये । विशेष इतना है कि जहांपर पल्योपमका असंख्यातवां भाग कहा गया है वहांपर संख्यात हजार वर्ष कहना चाहिये । बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । शेष पदोंकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय तिर्यंच अपर्याप्तोंके समान है ।

सूक्ष्म एकेन्द्रियोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे चार समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण और उत्कृष्टसे दो समय अधिक अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे चार समय होता है । तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर नहीं होता । इसी प्रकार सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्त व अपर्याप्तोंकी प्ररूपणा करना चाहिये । विशेष इतना है कि पर्याप्तोंमें औदारिकशरीरकी संघानतकृतिका अंतर एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे चार समय कम अंतर्मुहूर्त काल प्रमाण है ।

द्वीन्द्रिय, त्रीन्द्रिय, चतुरिन्द्रिय और उनके पर्याप्तोंमें औदारिकशरीरकी

पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अन्तोमुहुत्तं चवुवीसमुहुत्ता। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं अन्तोमुहुत्तं तिसमऊणं, उक्कस्सेण बारसवासाणि एगूणवण्णरार्दिदियाणि छम्मासा समयाहियाणि। ओरालिय-तेजा-कम्मइयसंघादणपरिसादणकदीए पंचिंदियतिरिक्खअपज्जत्तभंगो। बेइंदिय-तेइंदिय-चवुरिंदियअपज्जत्ताणं तिरिक्खअपज्जत्तभंगो।

एवं पंचिंदियअपज्जत्ताणं। पंचिंदियदुगोरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अन्तोमुहुत्तं चउवीसमुहुत्ता। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं अन्तोमुहुत्तं तिसमऊणं। उक्कस्सेण ओघं। ओरालिय-वेउव्विय-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं, उक्कस्सेण सागरोवमसहस्सं पुव्वकोडिपुधत्तेणब्भहियसागरोवमसदपुधत्तं। ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए ओघं। वेउव्वियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च ओघं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तेत्तीसं सागरोवमाणि तिण्णि पलिदोवमाणि पुव्वकोडिपुधत्तेणब्भहियाणि। संघादण-

....

संघातनकृतिका अंतर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त व चौबीस मुहूर्त काल प्रमाण होता है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण और तीन समय कम अन्तर्मुहूर्त प्रमाण तथा उत्कृष्टसे क्रमशः एक समय अधिक बारह वर्ष, एक समय अधिक उनंचास रात्रि-दिवस व एक समय अधिक छह मास होता है। औदारिक, तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय तिर्यंच अपर्याप्तोंके समान है। द्वीन्द्रिय अपर्याप्त, त्रीन्द्रिय अपर्याप्त और चतुरिन्द्रिय अपर्याप्तोंके अन्तरकी प्ररूपणा तिर्यंच अपर्याप्तोंके समान है।

इसी प्रकार पंचेन्द्रिय अपर्याप्तोंके कहना चाहिये। पंचेन्द्रिय व पंचेन्द्रिय पर्याप्तोंमें औदारिकशरीरकी संघानतकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त व चौबीस मुहूर्त होता है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण मात्र व तीन समय कम अन्तर्मुहूर्त मात्र होता है। उत्कृष्टसे उसकी प्ररूपणा ओघके समान है। औदारिक व वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे एक हजार सागरोपम प्रमाण और पूर्वकोटिपृथक्त्वसे अधिक सागरोपमशतपृथक्त्व काल प्रमाण होता है। औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा ओघके समान है। वैक्रिकियशरीरकी संघातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा ओघके समान है। वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे तेतीस सागरोपम व पूर्वकोटिपृथक्त्वसे अधिक तीन पल्योपम काल प्रमाण होता है। वैक्रियिकशरीरकी संघातन-

परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तिण्णि पलिदोवमाणि पुव्वकोडिपुधत्तेणब्भहियाणि। आहारतिगस्स णाणाजीवं पडुच्च ओघं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं, उक्कस्सेण सागरोवमसहस्सं पुव्वकोडिपुधत्तेणब्भहियं सागरोवमसदपुधत्तं। तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी ओघं।

पुढवीकाइय-आउकाइएसु ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं चदुसमऊणं, उक्कस्सेण बावीस-सत्तवाससहस्साणि समयाहियाणि। संघादण-परिसादणकदीए सुहुमेइंदियभंगो। तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी ओघं। तेसिं बादराणमोरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं तिसमऊणं, उक्कस्सेण बावीस-सत्तवाससहस्साणि समयाहियाणि। संघादण-परिसादणकदीए तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए बेइंदियभंगो। एवं तेसिं पज्जत्ताणं पि। णवरि ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ,

....

परिशातकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे पूर्वकोटिपृथक्त्वसे अधिक तीन पल्योपम काल प्रमाण होता है। आहारकशरीरके तीनों पदोंकी अन्तरप्ररूपणा नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे एक हजार सागरोपम व पूर्वकोटिपृथक्त्वसे अधिक सागरोपमशतपृथक्त्व काल प्रमाण होता है। तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा ओघके समान है।

पृथिवीकायिक और जलकायिक जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे चार समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण तथा उत्कृष्टसे एक समय अधिक बाईस हजार व एक समय अधिक सात हजार वर्ष प्रमाण होता है। औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिकी प्ररूपणा सूक्ष्म एकेन्द्रियोंके समान है। तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिकी प्ररूपणा ओघके समान है।

बादर पृथिवीकायिक और बादर जलकायिक जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा नहीं होती। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण और उत्कृष्टसे एक समय अधिक बाईस हजार व एक समय अधिक सात हजार वर्ष प्रमाण होता है। औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृति तथा तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिकी प्ररूपणा द्वीन्द्रिय जीवोंके समान है। इसी प्रकार उनके पर्याप्तोंकी भी प्ररूपणा करना चाहिये। विशेष इतना है कि उनमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय

उक्कस्सेण अन्तोमुहुत्तं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं तिसमऊणं। एवं बादरवणप्फदिपत्तेगाणं। णवरि ओरालियसंघादणकदीए एगजीवं पडुच्च उक्कस्सेण दसवाससहस्साणि समयाहियाणि।

तेउकाइय-वाउकाइएसु ओरालियसंघादणकदीए पुढवीभंगो। णवरि उक्कस्सेण तिण्णि रादिंदियाणि वाससहस्साणि समयाहियाणि। ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदीए वेउव्वियसंघादण-संघादणपरिसादणकदीणं एइंदियभंगो। ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अन्तोमुहुत्तं तिसमयाहियं। तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णत्थि अंतरं। एवं बादरतेउकाइय-बादरवाउकाइयाणं। णवरि ओरालियसंघादणकदीए एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं तिसमऊणं। तेसिं पज्जत्ताणमोरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण चउवीसमुहुत्ता। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं तिसमऊणं। उक्कस्सेण बादर -

....

और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। एक जीवकी अपेक्षा वह जघन्यसे तीन समय कम अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। इसी प्रकार बादर वनस्पतिकायिक प्रत्येकशरीर जीवोंके कहना चाहिये। विशेष इतना है कि उनमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर एक समय अधिक दस हजार वर्ष प्रमाण होता है।

तेजकायिक और वायुकायिक जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा पृथिवीकायिकोंके समान है। विशेष इतना है कि एक जीवकी अपेक्षा उत्कृष्टसे क्रमशः एक समय अधिक तीन रात्रि-दिन व एक समय अधिक तीन हजार वर्ष प्रमाण होता है। औदारिक व वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन व संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा एकेन्द्रियोंके समान है। औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे तीन समय अधिक अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन परिशातनकृतिका अन्तर नहीं होता।

इसी प्रकार बादर तेजकायिक और बादर वायुकायिक जीवोंके कहना चाहिये विशेष इतना है कि उनमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण काल प्रमाण होता है। उनके पर्याप्तोंमें औदारिक-शरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय व उत्कृष्टसे चौबीस मुहूर्त होता है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। उत्कृष्ट अन्तरकी प्ररूपणा बादर तेजकायिक व बादर वायुकायिकोंके

तेउकाइय-वाउकाइयभंगो । ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदीए वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीए एइंदियभंगो । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए तिरिक्खभंगो । वेउव्विय-संघादणकदीए एइंदियपज्जत्तभंगो । तेजा-कम्मइयसंघादणकदी ओघं ।

बादरपुढवीकाइय-बादरआउकाइय-बादरतेउकाइय-बादरवाउकाइय-बादरवणप्फ-दिकाइय-बादरणिगोदजीव-बादरवणप्फदिपत्तेगसरीरअपज्जत्ताणं बादरेइंदियअपज्ज-त्तभंगो । वणप्फदिकाइएसु ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं चदुसमऊणं, उक्कस्सेण दसवाससहस्साणि समयाहि-याणि । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण चत्तारि समया । तेजा कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी ओघं ।

बादरवणप्फदिकाइयाणं बादरवणप्फदिपत्तेगसरीरभंगो । णिगोदजीवाणं वणप्फदिभंगो । णवरि ओरालियसंघादणकदीए उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं समयाहियं । एवं बादरणिगोदाणं

....

समान है । औदारिक व वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा एकेंद्रियोके समान है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर तिर्यंचोके समान है । वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर एकेंन्द्रिय पर्याप्तोके समान है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा ओघके समान है ।

बादर पृथिवीकायिक अपर्याप्त, बादर जलकायिक अपर्याप्त, बादर तेजकायिक अपर्याप्त, बादर वायुकायिक अपर्याप्त, बादर वनस्पतिकायिक अपर्याप्त, बादर निगोद जीव अपर्याप्त और बादर वनस्पतिकायिक प्रत्येकशरीर अपर्याप्त जीवोंकी प्ररूपणा बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्त जीवोके समान है ।

वनस्पतिकायिक जीवोमे औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे चार समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण और उत्कृष्टसे एक समय अधिक दस हजार वर्ष प्रमाण होता है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे चार समय प्रमाण होता है । तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिकी प्ररूपणा ओघके समान है ।

बादर वनस्पतिकायिकोंकी प्ररूपणा बादर वनस्पतिकायिक प्रत्येकशरीर जीवोके समान है । निगोद जीवोंकी प्ररूपणा वनस्पतिकायिकोके समान है । विशेष इतना है कि उनमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर उत्कृष्टसे एक समय अधिक अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण काल है । इसी प्रकार बादर निगोद जीवोके कहना चाहिये । विशेष इतना है कि

णवरि जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं तिसमऊणं । एवं पज्जत्ताणं । णवरि ओरालियसंघादणकदीए जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं तिसमऊणं ।

सव्वसुहुमाणं सुहुमेइंदियभंगो । तसदोण्णि पंचिंदियदुगभंगो । णवरि ओरालियपरिसादणकदीए वेउव्वियपरिसादणकदीए आहारतिण्णिपदाणमेगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं, उक्कस्सेण बेसागरोवमसहस्साणि पुव्वकोडिपुधत्तेणब्भहियाणि बेसागरोवमसहस्साणि देसूणाणि । तसअपज्जत्ताणं पंचिंदियअपज्जत्तभंगो ।

पंचमणजोगि-पंचवचिजोगीसु ओरालिय-वेउव्वियपरिसादण-संघादणपरिसादणकदीणं तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णाणेगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । आहारपरिसादणसंघादणपरिसादणकदीणं णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण वासपुधत्तं । एगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं ।

कायजोगीसु ओरालियवेउव्वियतिण्णिपदाणं एइंदियभंगो । णवरि वेउव्वियसंघादण-संघादणपरिसादणकदीणं जहण्णेण एगसमओ । आहारतिगस्स णाणाजीवं पडुच्च ओघं ।

....

उनमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण काल प्रमाण होता है । इसी प्रकार बादर निगोद पर्याप्त जीवोंकी प्ररूपणा है । विशेष इतना है कि उनमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर जघन्यसे तीन समय कम अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है ।

सब सूक्ष्म जीवोंकी प्ररूपणा सूक्ष्म एकेन्द्रियोके समान है । त्रस और त्रस पर्याप्तोंकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय और पंचेन्द्रिय पर्याप्तोके समान है । विशेष इतना है कि औदारिकशरीरकी परिशातनकृति, वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृति तथा आहारकशरीरके तीनों पदोंका अन्तर एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण तथा उत्कृष्टसे क्रमशः पूर्वकोटिपृथक्त्वसे अधिक दो हजार सागरोपम व दो हजार सागरोपमसे कुछ कम है । त्रस अपर्याप्तोंकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय अपर्याप्तोके समान है ।

पांच मनयोगी और पांच वचनयोगी जीवोंमें औदारिक व वैक्रियिकशरीरकी परिशातन व संघातन-परिशातनकृति तथा तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना व एक जीवकी अपेक्षा अंतर नहीं होता । आहारकशरीरकी परिशातन और संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे वर्षपृथक्त्व काल प्रमाण होता है । एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता ।

काययोगियोंमें औदारिक और वैक्रियिकशरीरके तीनों पदोंकी प्ररूपणा एकेंद्रियोके समान है । विशेष इतना है कि वैक्रियिकशरीरकी संघातन व संघातन-परिशातन-कृतिका अंतर जघन्यसे एक समय होता है । आहारकशरीरके तीनों पदोंकी प्ररूपणा नाना

एगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णत्थि अंतरं ।

ओरालियकायजोगीसु ओरालियपरिसादणकदीए वेउव्वियतिण्णिपदाणं णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण तिण्णिवाससहस्साणि देसूणाणि । णवरि वेउव्वियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । आहारपरिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च ओघं । एगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । तेजा-कम्मइयएगपदमोघं ।

ओरालियमिस्सकायजोगीसु ओरालियसंघादणकदी णाणाजीवं पडुच्च ओघं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं चदुसमऊणं, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं समऊणं । संघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च ओघं । एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण एगसमओ । तेजा-कम्मइयसंघादणपरिसादणकदी ओघं ।

वेउव्वियकायजोगीसु सगपदाणं णाणेगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । वेउव्वियमिस्स-

....

जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है । एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अंतर नहीं होता ।

औदारिककाययोगियोंमें औदारिकशरीरकी परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरके तीनों पदोंका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे कुछ कम तीन हजार वर्ष प्रमाण होता है । विशेष इतना है कि वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है । आहारकशरीरकी परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है । एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । तैजस व कार्मणशरीरके एक पद अर्थात् संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर ओघके समान है ।

औदारिकमिश्रकाययोगियोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिके अंतरकी प्ररूपणा नाना जीवेंकी अपेक्षा ओघके समान है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे चार समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण और उत्कृष्टसे एक समय कम अन्तरर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अंतर नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्टसे एक समय है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अंतरकी प्ररूपणा ओघके समान है ।

वैक्रियिककाययोगियोंमें अपने पदोंका नाना व एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं

कायजोगीसु सगपदाणं णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण बारसमुहुत्ता। एगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं। आहारकायजोगि-आहारमिस्सकायजोगीसु अप्पप्पणो पदाणं णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण वासपुधत्तं। एगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं।

कम्मइयकायजोगीसु ओरालियपरिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण वासपुधत्तं। एगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं। तेजा-कम्मइयएगपदस्स णत्थि अंतरं।

इत्थिवेदेसु ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च पंचिंदियपज्जत्तभंगो। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं तिसमऊणं, उक्कस्सेण पणवण्णपलिदोवमाणि पुव्वकोडीए समएण व अहियाणि। ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च ओघं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण पलिदोवमसदपुधत्तं। ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च ओघं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण पणवण्णपलिदोवमाणि अंतोमुहुत्तेण तिसमयाहिएण अब्भहियाणि। वेउव्वियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च

....

होता। वैक्रियिकमिश्रकाययोगियोंमें अपने पदोंका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे बारह मुहूर्त प्रमाण होता है। एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नही होता। आहारकाययोगी और आहारमिश्रकाययोगियोंमें अपने अपने पदोंका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे वर्षपृथक्त्व काल प्रमाण होता है। एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता।

कार्मणकाययोगियोंमें औदारिकशरीरकी परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे वर्षपृथक्त्व काल प्रमाण होता है। एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता। तैजस व कार्मणशरीरके एक पदका अन्तर नहीं होता।

स्त्रीवेदी जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा नाना जीवोंकी अपेक्षा पंचेन्द्रिय पर्याप्तोंके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे एक समय और पूर्वकोटिसे अधिक पचवन पल्य प्रमाण होता है। औदारिक और वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण और उत्कृष्टसे पल्योपमशतपृथक्त्व काल प्रमाण होता है। औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे तीन समय और अन्तर्मुहूर्तसे अधिक पचवन पल्य प्रमाण होता है। वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और

जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अट्ठावण्णपलिदोवमाणि पुव्वकोडीपुधत्तेणब्भहियाणि । वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च ओघं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तिण्णि पलिदोवमाणि पुव्वकोडीपुधत्तेणब्भहियाणि । तेजा-कम्मइयएगपदमोघं ।

पुरिसवेदाणमोरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च इत्थिवेदभंगो । एगजीवं पडुच्च ओघं । णवरि जहण्णेण अंतोमुहुत्तं तिसमऊणं । ओरालिय-वेउव्वियपरिसादण-कदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं, उक्कस्सेण सागरोवमसदपुधत्तं । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए ओघं । वेउव्वियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च ओघं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तेत्तीससागरोवमाणि समयाहियपुव्वकोडीए अहियाणि । वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च ओघं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण उक्कस्सेण इत्थिवेदभंगो । आहारतिण्णिपदा ओघं । णवरि एगजीवं

....

उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे पूर्वकोटिपृथक्त्वसे अधिक अट्ठावन पल्योपम काल प्रमाण होता है। वैक्रियिक-शरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे पूर्वकोटिपृथक्त्वसे अधिक तीन पल्योपम काल प्रमाण होता है। तैजस व कार्मणशरीरकी एक पदकी प्ररूपणा ओघके समान है।

पुरुषवेदियोमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिके अंतरकी प्ररूपणा नाना जीवोंकी अपेक्षा स्त्रीवेदियोके समान है। एक जीवकी अपेक्षा ओघके समान है। विशेष इतना है कि जघन्य अंतर तीन समय कम अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। औदारिक और वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता। एक जीवकी अपेक्षा वह जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे सागरोपमशतपृथक्त्व काल प्रमाण होता है। औदारिकशरीरकी संघातनकृति-परिशातनकृतिका अन्तर ओघके समान है। वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे एक समय व पूर्वकोटिसे अधिक तेत्तीस सागरोपम काल प्रमाण होता है। वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे व उत्कृष्टसे स्त्रीवेदियोके समान है। आहारकशरीरके तीनो पदोंकी प्ररूपणा ओघके समान है। विशेष इतना है कि एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे

पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं, उक्कस्सेण सागरोवमसदपुधत्तं। तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णत्थि अंतरं।

णउंसयवेदाणमप्पणो पदा ओघं। अवगदवेदेसु ओरालियपरिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण छम्मासा। एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण अन्तोमुहुत्तं। संघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च ओघं। एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण तिण्णिसमया। तेजा-कम्मइयवोपदा ओघं।

कोधादिचदुक्कस्स ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदीए तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णाणेगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं। ओरालियसंघादणपरिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च ओघं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अन्तोमुहुत्तं। वेउव्वियसंघादणकदीए णाणेगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अन्तोमुहुत्तं। संघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च ओघं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अन्तोमुहुत्तं। आहारतिण्णिपदाणं मणजोगिभंगो।

....

अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे सागरोपमशतपृथक्त्व काल प्रमाण होता है। तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर नहीं होता।

नपुंसकवेदियोंमें अपने पदोंकी प्ररूपणा ओघके समान है। अपगतवेदियोंमें औदारिकशरीरकी परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे छह मास होता है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्टसे तीन समय प्रमाण होता है। तैजस और कार्मणशरीरके दो पदोंकी प्ररूपणा ओघके समान है।

क्रोधादि चार कषाय युक्त जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृति, औदारिक व वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृति तथा तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना और एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता। औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अंतरकी प्ररूपणा नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना व एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। आहारकशरीरके तीनों पदोंकी अन्तरप्ररूपणा मनयोगियोंके समान है।

अकसाईणमवगदवेदभंगो । मदि-सुदअण्णाणीसु सगपदा ओघं । विभंगणाणीसु सगपदाणं णत्थि अंतरं । णवरि वेउव्वियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अन्तोमुहुत्तं ।

आभिणिबोहिय-सुद-ओहिणाणीसु ओरालियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण मासपुधत्तं । ओहिणाणीसु वासपुधत्तं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण पलिदोवमं सादिरेयं, उक्कस्सेण तेतीसं सागरोवमाणि समयाहियपुव्वकोडीए सादिरेयाणि । ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं, उक्कस्सेण छावट्ठिसागरोवमाणि सादिरेयाणि । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तेतीससागरोवमाणि तिसमयाहियअंतोमुहुत्तेण सादिरेयाणि । वेउव्वियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च ओघं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तेत्तीससागरोवमाणि समयाहियपुव्वकोडीए सादिरेयाणि । संघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च ओघं ।

....

अकषायी जीवोंकी प्ररूपणा अपगतवेदियोंके समान है । मत्यज्ञानी व श्रुताज्ञानियोंमें अपने पदोंकी प्ररूपणा ओघके समान है । विभंगज्ञानियोंमें अपने पदोंका अन्तर नहीं होता । विशेष इतना है कि वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है ।

आभिनिबोधिक, श्रुत और अवधिज्ञानी जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे प्रारम्भके दो ज्ञानोंमे मासपृथक्त्व काल प्रमाण तथा अवधिज्ञानियोंमें वर्षपृथक्त्व काल प्रमाण होता है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे कुछ अधिक एक पल्योपम तथा उत्कृष्टसे एक समय और पूर्वकोटिसे अधिक तेतीस सागरोपम काल प्रमाण होता है । औदारिक और वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे कुछ अधिक छ्यासठ सागरोपम काल प्रमाण होता है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे तीन समय व अन्तर्मुहूर्तसे अधिक तेतीस सागरोपम काल प्रमाण होता है । वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा नानाजीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे एक समय व पूर्वकोटिसे अधिक तेत्तीस सागरोपम काल प्रमाण होता है । वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके अन्तरकी प्ररूपणा नाना जीवोंकी अपेक्षा

एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तिण्णि पलिदोवमाणि पुव्वकोडितिभागेण देसूणेण सादिरेयाणि। आहारतिगं णाणाजीवं पडुच्च ओघं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं, उक्कस्सेण छावट्ठिसागरोवमाणि सादिरेयाणि। तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णाणेगजीवं पडुच्च जहण्णेण उक्कस्सेण णत्थि अंतरं।

मणपज्जवणाणीसु ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदीए वेउव्वियसंघादण परिसादण-कदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं, उक्कस्सेण पुव्वकोडी देसूणा। ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं, उक्कस्सेण अन्तोमुहुत्तं। वेउव्वियसंघादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अन्तोमुहुत्तं। एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अन्तोमुहुत्तं, उक्कस्सेण पुव्वकोडी देसूणा। तेजा-कम्मइय-संघादण-परिसादणकदीए णाणेगजीवं पडुच्च णत्थि अंतरं। केवलणाणीणमवगदवेदभंगो।

एवं जहाक्खादसंजदाणं पि संघादणकदीए वत्तव्वं। संजदाणं मणपज्जवभंगो। णवरि ओरालिय -

....

ओघके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे कुछ कम एक पूर्वकोटिके तृतीय भागसे अधिक तीन पल्योपम काल प्रमाण होता है। आहारकशरीरके तीनों पदोंकी प्ररूपणा नाना जीवोंकी अपेक्षा ओघके समान है। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे कुछ कम अधिक छ्यासठ सागरोपम काल प्रमाण होता है। तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना व एक जीवकी अपेक्षा जघन्य और उत्कर्षसे अन्तर नहीं होता।

मन:पर्ययज्ञानियोंमें औदारिक व वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृतिका तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता। एक जीवकी अपेक्षा उसका अन्तर जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे कुछ कम एक पूर्वकोटि काल प्रमाण होता है। औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता। एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका अन्तर नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल प्रमाण होता है। एक जीवकी अपेक्षा उसका अन्तर जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे कुछ कम एक पूर्वकोटि काल प्रमाण होता है। तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना व एक जीवकी अपेक्षा अन्तर नहीं होता। केवलज्ञानियोंकी प्ररूपणा अपगतवेदियोंके समान है।

इसी प्रकार यथाख्यातसंयत जीवोंके संघातनकृतिका कहना चाहिये। संयत जीवोंकी संघातन-कृतिकी प्ररूपणा मन:पर्ययज्ञानियोंके समान है। विशेष कहना है कि औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातन-